Series E7DFG

Set – 3

प्रश्न-पत्र कोड **3/7/3**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ** ।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है ।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है ।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है ।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है । यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

14

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

ज्ञान किताबों से ही नहीं मिलता है । कबीरदास जी ने भी कहा है

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय ।

ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय ।

इस दोहे का अर्थ है कि मोटे-मोटे ग्रंथों को पढ़ते हुए संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, लेकिन सभी विद्वान नहीं हो सके । कबीरदास कहते हैं कि, यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही सही तरीके से पढ़ ले, तो वह प्यार का सही रूप पहचान लेता है और वही सच्चा ज्ञानी होता है । पुस्तकों से शिक्षा ग्रहण की जा सकती है, लेकिन ज्ञान के लिए आपको चहुँओर देखना होगा । संसार में चारों ओर ज्ञान ही ज्ञान पसरा है ।

संसार में ज्ञान हमेशा से सर्वोपरि रहा है । सभी लोग जीवन में सफल होना चाहते हैं । सफलता की कुंजी को प्राप्त कर अपने लक्ष्य तक पहुँचना चाहते हैं । इसके लिए वे किताबों में ही डूबे रहते हैं । किताबों से ज्ञान तो अर्जित किया जा सकता है, लेकिन यह काफी हद तक सीमित ज्ञान होगा । सफलता के लिए जरूरी है सूचनाओं को इकट्ठा करना । संसार में चहुँओर सूचनाओं का अंबार है । इसलिए पुस्तक से निकलकर संसार में अपने आस-पास भी देखिए और ज्ञान इकट्ठा कीजिए ।

ऐसा देखा गया है कि ऊँची-ऊँची डिग्री धारण करने के बाद भी लोग व्यावहारिक जीवन में बहुत ही असफल होते हैं, उन्हें समझ में नहीं आता है कि अपने इस किताबी ज्ञान को किस तरह से जीवन में उतारें और उपयोग करें । इसलिए जरूरी है कि किताबी ज्ञान के साथ ही मानवीय और व्यावहारिक ज्ञान भी हासिल किया जाए । यह हमें पुस्तकों से नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार से, आसपास के परिवेश और अनुभव से प्राप्त होता है ।

(i) 'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय' – इस पंक्ति का आशय है : *1*

(A) पुस्तकें पढ़ने से विद्वता नहीं आती

(B) केवल पुस्तकीय ज्ञान से व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिलता

(C) मोटे-मोटे ग्रंथों का अध्ययन करना व्यर्थ है

(D) विद्वान बनने के लिए शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए

(ii) गद्यांश के अनुसार सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है : *1*

(A) दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना

(B) दिन-रात कठोर परिश्रम करना

(C) पुस्तकीय ज्ञान को प्राप्त करना

(D) पुस्तकीय ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का संतुलन

(iii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ? *1*

(A) ज्ञान केवल शिक्षा ग्रहण करने से ही प्राप्त होता है।

(B) पुस्तकीय ज्ञान को जीवन में उतारे बिना वह व्यर्थ है।

(C) व्यावहारिक ज्ञान से पुस्तकीय ज्ञान अधिक उपयोगी है।

(D) सूचनाएँ इकट्ठा करना समय और श्रम की बर्बादी है।

(iv) ऊँची-ऊँची डिग्रियाँ धारण करने पर भी लोग व्यावहारिक जीवन में सफल क्यों नहीं हो पाते ? *2*

(v) गद्यांश में 'कबीर' का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *2*

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

वहाँ बहुत सारी चीज़ें थी करीने से सजी हुई

जिन्हें गुज़रे वक़्त के लोगों ने कभी इस्तेमाल किया था।

दीवारों पर सुनहरी फ्रेम में मढ़े हुए उन शासकों के विशाल चित्र थे

जिनके नीचे उनका नाम और समय भी लिखा था

जिन्होंने उन चीज़ों का उपयोग किया था

लेकिन उन चीज़ों को बनाने वालों का कोई चित्र वहाँ नहीं था

न कहीं उनका कोई नाम था।

खाना खाने की नक़्क़ाशीदार रकाबियाँ थीं,

कटोरियाँ और कटोर दान थे,

गिलास और उगालदान थे।

खाना पकाने के बड़े-बड़े देग और खाना परोसने के करछुल थे।

पर खाना पकाने वाले बावरचियों के नामों उल्लेख कहीं नहीं था।

खाना पकाने की भट्टियाँ और बड़ी-बड़ी सिगड़ियाँ थीं

पर उन सिगड़ियों में आग नहीं थी।

आग की सिर्फ़ कहानियाँ थीं

लेकिन आग नहीं थी।

आग का संग्रह करना संभव नहीं था।

सिर्फ आग थी

जो आज को बीते हुए समय से अलग करती थी।

(i) संग्रहालय में निम्नलिखित में से क्या ***नहीं*** था ? *1*

(A) शासकों के विशाल चित्र

(B) नक़्क़ाशीदार रकाबियाँ

(C) खाना पकाने के देग

(D) सिगड़ियों में आग

(ii) काव्यांश में किस सामाजिक विसंगति को उजागर किया गया है ? *1*

(A) संग्रहालयों में विशिष्ट व्यक्तियों को महत्त्व दिए जाने का

(B) संग्रहालय में शासकों का महिमामंडन और श्रमिक वर्ग की उपेक्षा

(C) संग्रहालय में आम आदमी के साथ होने वाले व्यवहार का

(D) संग्रहालय में रखी हुई वस्तुओं की देखभाल नहीं होने का

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : आग का संग्रह करना संभव नहीं था।

कारण : आग श्रमिकों के परिश्रम और ऊर्जा का प्रतीक है जिसे संग्रहित नहीं किया जा सकता।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है।

(iv) 'आग की सिर्फ कहानियाँ थी लेकिन आग नहीं थी' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *2*

(v) संग्रहालय में शासकों और कारीगरों के बीच किस तरह का भेदभाव दिखाया गया है ? *2*

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण) *16*

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) हमारे पिताजी तड़के उठकर, निबट-नहाकर पूजा करने बैठ जाते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ii) वह अपने साथ ही हमें नहलाते और पूजा पर बिठा लेते। (सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) हमारे मस्तक पर भभूत खूब खिलती थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iv) सिर में जो लंबी-लंबी जटाएँ थीं उससे पिताजी हमें बड़े प्यार से 'भोलानाथ' कहकर पुकारते। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(v) बाबू जी जिस चौकी पर बैठकर नहाते थे, वही रंगमंच बनती थी। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) हमारे द्वारा सब बनावटी चिड़ियों को चट कर दिया जाता था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ii) अधिक खाने के कारण हम कूद नहीं सकते। (वाच्य पहचानकर लिखिए)

(iii) हम चँदोआ तानकर मिठाइयों की दुकान लगाते। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(iv) अब हम दौड़ नहीं सकते। (भाववाच्य में बदलिए)

(v) हालदार साहब द्वारा जीप थोड़ी देर के लिए रुकवा दी गई थी। (वाच्य पहचानकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं ***चार*** पदों का पद-परिचय लिखिए : *4×1=4*

मैं वहाँ दसवीं कक्षा में पढ़ता था।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : *4×1=4*

(i) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

(ii) मनहु सुरसरिता विमल, जल उछरत जुग मीन ॥

(iii) हाय फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी।

(iv) भूप सहस दस एकहिं बारा। लगे उठावन टरत न टारा ॥

(v) खड़-खड़ करताल बजा, नाच रही बेसुध हवा।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित) *30*

7. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) हिरोशिमा शहर में घूमते हुए लेखक का मन क्या देखकर विचलित हो जाता है ? उसका उनके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'जल-संरक्षण' से आप क्या समझते हैं ? आपके विचार से हम सब इस दिशा में क्या-क्या कर सकते हैं ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित विद्यालय का अनुशासन और वर्तमान में आपके विद्यालय के अनुशासन को आप कैसे भिन्न पाते हैं ? इस पर अपनी तुलनात्मक राय लिखिए।

8. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(i) 'सूरदास के पद' पाठ के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने उद्धव को 'बड़भागी' कहकर क्या कहना चाहा है।

(ii) 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर प्रस्तुत काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए :

'तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती।'

(iii) 'उत्साह' कविता के मुख्य स्वर को स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'फ़सल' कविता सबके सहयोग और एकता की भावना पर कैसे बल देती है, स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥

(i) 'नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥' इस काव्य-पंक्ति में वक्ता कौन है ?

(A) लक्ष्मण
(B) राम
(C) राजा जनक
(D) विश्वामित्र

(ii) इन चौपाइयों का प्रसंग है :

(A) सीता-स्वयंवर के समय शिव धनुष का टूटना

(B) जनक महल में लक्ष्मण द्वारा शिव धनुष का तोड़ना

(C) जनक सभा में परशुराम के क्रोध से शिव धनुष का टूटना

(D) जनक महल के संग्रहालय में राम से शिव धनुष का टूटना

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : परशुराम जी राजा जनक की सभा में खंडित धनुष को देखकर आपे से बाहर हो जाते हैं।

कारण : अपने आराध्य शिव के धनुष को टूटा देख वे स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाते।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iv) काव्यांश के आधार पर परशुराम की स्वभावगत विशेषताएँ हैं :

I. शिवजी के परम भक्त हैं।

II. क्षत्रियों से उनका पुराना बैर है।

III. वीर, क्रोधी, साहसी, आत्म-प्रशंसक हैं।

IV. शक्तिशाली, घमंडी, निर्दयी, चाटुकार हैं।

विकल्प :

(A) I और II सही हैं।

(B) III और IV सही हैं।

(C) I और III सही हैं।

(D) II, III और IV सही हैं।

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस पद में ***नहीं*** आया ?

(A) धनुष तोड़ने वाला सहस्रबाहु के समान ही परशुराम का दुश्मन है।

(B) धनुष तोड़ने वाला राज-समाज से अलग हो जाए अन्यथा स्वयंवर स्थल पर सभी राजा मारे जाएँगे।

(C) लक्ष्मण ने कहा कि बचपन में हमने इतनी धनुहियाँ तोड़ी तब तो आपने क्रोध नहीं किया।

(D) विश्वामित्र ने कहा कि सज्जन बालकों के गुण-दोष को महत्त्व नहीं देते।

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(i) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए कि 'बिस्मिल्ला खाँ का सम्पूर्ण जीवन शहनाई वादन को समर्पित था'।

(ii) मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के स्वभाव के विषय में क्या बताया है ? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) लेखक और नवाब साहब द्वारा सेकंड क्लास का टिकट खरीद कर यात्रा करने के उद्देश्य में क्या समानता थी ? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iv) 'बालगोबिन भगत का चरित्र सामान्य मनुष्यों से भिन्न था।' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही । सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा । अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है । पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता । हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है । रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था ।

(i) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है ।

कारण : संस्कृति मनुष्य की भौतिक प्रेरणा से अधिक मनुष्य के भीतर की सहज प्रवृत्ति पर बल देती है ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(ii) गद्यांश के संदर्भ में हमारी सभ्यता में संस्कृत व्यक्तियों और मनीषियों के योगदान के विषय में कौन-सा कथन ***अनुपयुक्त*** है ?

(A) नए-नए आविष्कार किए हैं ।

(B) सभ्यता विकसित कर रहे हैं ।

(C) अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित हैं ।

(D) अपनी खोजबीन से मानव जीवन सुगम बनाया है ।

(iii) भौतिक कारणों से किन वस्तुओं का आविष्कार आवश्यक था ?

I. आग

II. सुई-धागा

III. सुरक्षा के साधन

IV. तारों की गणना

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) II, III और IV

(C) I, III और IV

(D) I, II और IV

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

	कॉलम-I		कॉलम-II
1.	आग का आविष्कार	I.	पेट की ज्वाला
2.	सुई-धागे का आविष्कार	II.	नए तथ्यों की जानकारी
3.	संस्कृति की जननी	III.	मौसम से बचाव

विकल्प :

(A) 1-II, 2-I, 3-III

(B) 1-I, 2-III, 3-II

(C) 1-III, 2-I, 3-II

(D) 1-II, 2-III, 3-I

(v) आज के ज्ञान का प्रथम पुरस्कर्ता किसे कहा गया है ?

(A) जो खुले आकाश में गहरी नींद सोया है।

(B) पेट भरने और तन ढँकने के लिए चिंताग्रस्त है।

(C) जो मोतियों भरे थाल को जानने के लिए उत्सुक है।

(D) जो दिनभर के काम के बाद आराम चाहता है।

खण्ड घ
(रचनात्मक लेखन) *20*

12. (i) आप दीपा/दीप हैं । अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर क्रिकेट प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करवाने के लिए लगभग 100 शब्दों में निवेदन कीजिए । *5*

अथवा

(ii) आप दीपा/दीप हैं । अपनी दादीजी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर बताइए कि आपने उनसे जो हलवा बनाना सीखा था, वह बनाया था, बहुत ही बढ़िया बना, सबने सराहना की । *5*

13. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(i) अक्षय ऊर्जा : आज की जरूरत

- अक्षय ऊर्जा का अर्थ
- अक्षय ऊर्जा के प्रकार
- समस्याएँ और समाधान

(ii) ऑनलाइन खरीददारी

- अभिप्राय
- समय की आवश्यकता
- अपेक्षित सावधानियाँ

(iii) प्लास्टिक प्रदूषण

- प्लास्टिक प्रदूषण के कारण
- स्वास्थ्य पर प्रभाव
- समाधान

14. (i) आप गीता/गीत हैं। अ.ब.स. विद्यालय की जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में सहायक का पद रिक्त है। आप उस पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए। *5*

अथवा

(ii) आप गीता/गीत हैं। रात्रि से आप बुखार से ग्रस्त हैं अत: प्रात: क्रिकेट के अभ्यास में जाने के लिए असमर्थ हैं। अपने क्रिकेट कोच को इस संदर्भ में सूचना देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। *5*

15. (i) 'साइबर सुरक्षा' के लिए 'जनहित में जारी' एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। *4*

अथवा

(ii) आपके चाचाजी को देश की सेवा करने हेतु पदक मिला है। इस अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। *4*

अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2026 (सेकेंड बोर्ड परीक्षा)
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/7/3

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मई, 2026
प्रश्न पत्र कोड: 3/7/3
विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	खंड 'क' (अपठित बोध)	**14**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(B) केवल पुस्तकीय ज्ञान से व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिलता	1
(ii)	(D) पुस्तकीय ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का संतुलन	1
(iii)	(B) पुस्तकीय ज्ञान को जीवन में उतारे बिना वह व्यर्थ है।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • जीवन में पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान का उचित उपयोग न कर पाना • सामाजिक व्यवहार, परिवेश और अनुभव से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा करना • किताबी ज्ञान और व्यावहारिक जीवन में संतुलन का अभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * कोई एक कारण लिखने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अपनी बात को पुष्ट करने के लिए • लेखक द्वारा अपने मंतव्य को प्रभावशाली बनाने के लिए • किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव की महत्ता को समझाने के लिए (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) --- * संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक)	2

	--- * कबीर के दोहे के संदर्भ में गद्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(D) सिगड़ियों में आग	1
(ii)	(B) संग्रहालय में शासकों का महिमामंडन और श्रमिक वर्ग की उपेक्षा	1
(iii)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • संग्रहालयों में श्रमिकों द्वारा निर्मित वस्तुएँ विद्यमान, किंतु श्रमिकों का कोई उल्लेख नहीं • संग्रहालय में भूतकाल की निर्जीव वस्तुएँ प्रदर्शित, लेकिन उनमें जीवन और ऊर्जा नहीं • इतिहास का केवल बाहरी रूप सुरक्षित, उसकी आत्मा और संघर्ष नहीं (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * पर्याप्त विस्तार से उपयुक्त आशय लिखने पर (2 अंक) --- * संक्षेप में उपयुक्त आशय लिखने पर (1 अंक) --- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे : • कारीगरों की उपेक्षा और शासकों का महिमामंडन • शासकों द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और उनके चित्रों का नाम-विवरण सहित उल्लेख परंतु उन्हें बनाने वालों का गुमनाम रह जाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---	2

	* प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)	**16**
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	हमारे पिताजी तड़के उठ जाते थे और निबट-नहाकर पूजा करने बैठ जाते थे।/ हमारे पिताजी तड़के उठते थे और निबट-नहाकर पूजा करने बैठ जाते थे।/ हमारे पिताजी तड़के उठकर निबटते-नहाते थे और पूजा करने बैठ जाते थे।	1
(ii)	वह अपने साथ ही हमें नहलाकर पूजा पर बिठा लेते।	1
(iii)	जो भभूत थी, वह हमारे मस्तक पर खूब खिलती थी।/ हमारे मस्तक पर जो खूब खिलती थी, वह भभूत थी।	1
(iv)	विशेषण आश्रित उपवाक्य	1
(v)	मिश्र / मिश्रित वाक्य	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	हम सब बनावटी चिड़ियों को चट कर जाते थे। सब बनावटी चिड़ियों को हम चट कर जाते थे।	1
(ii)	कर्तृवाच्य	1
(iii)	हमारे द्वारा चँदोआ तानकर मिठाइयों की दुकान लगाई जाती।	1
(iv)	अब हमसे दौड़ा नहीं जाता।/अब हमसे दौड़ा नहीं जा सकता।	1
(v)	कर्मवाच्य	1

5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(i)	**मैं–** सर्वनाम, उत्तम पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक	½+½=1
(ii)	**वहाँ–** अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'पढ़ना' क्रिया की विशेषता	½+½=1
(iii)	**दसवीं–** विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य	½+½=1
(iv)	**कक्षा–** संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरणकारक	½+½=1
(v)	**पढ़ता था–** क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल	½+½=1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	रूपक अलंकार	1
(ii)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(iii)	उपमा अलंकार	1
(iv)	अतिशयोक्ति अलंकार	1
(v)	मानवीकरण अलंकार	1
	खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक)	**30**
7.	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	8
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **क्या देखकर :** • परमाणु विस्फोट के समय जले हुए पत्थर पर बनी किसी व्यक्ति की लंबी उजली छाया परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- **प्रभाव :** • स्वयं भोक्ता में बदल जाना	4

	• आतंरिक विवशता का जागना • मानवीय पीड़ा और त्रासदी की साक्षात अनुभूति • मानसिक व्याकुलता और विचलित मन के कारण कविता का जन्म • मानव निर्मित आपदा के प्रति सचेत होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+1+1=4 अंक) --- * प्रश्न के पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे हिस्से के लिए एक बिंदु लिखने पर (3 अंक) --- * प्रश्न के पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर **अथवा** दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर हिरोशिमा के अनुभव और उसके प्रभाव के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (2 अंक) --- * प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के संदर्भ में हिरोशिमा के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखेंगे- **जल-संरक्षण :** जल की बर्बादी को रोकना और उसका उचित प्रबंधन परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **तीन** उपयुक्त बिंदुओं में **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • जल का समुचित उपयोग करना • जल को व्यर्थ बहने से रोकना • वर्षा जल का संचयन करना • जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाना • पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखना • जल-संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना	4

	* पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखने और प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+3 =4 अंक) --- * प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ लिखने और दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त अर्थ न लिखने और दूसरे हिस्से के लिए तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) --- * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक बिंदु लिखने पर अथवा प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर 'जल संरक्षण ' के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (2 अंक) --- * प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा 'जल संरक्षण ' के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए पाठ और वर्तमान संदर्भों की **एक** उपयुक्त बिंदु में भिन्नता लिखेंगे- • पाठ में वर्णित विद्यालय में अनुशासन की पारंपरिक व अनौपचारिक तरीका; वर्तमान विद्यालयों में अनुशासन सुधारात्मक दृष्टिकोण पर टिका • उद्दंडता करने पर पाठ में वर्णित विद्यालय के शिक्षक द्वारा शारीरिक दंड दिया जाना; आज शारीरिक दंड की जगह बातचीत और परामर्श (काउंसलिंग) • पाठ में वर्णित विद्यालय के शिक्षक द्वारा अनुशासनहीनता के आरोप में विद्यालय के बच्चों को अनुपस्थित बच्चे के घर भेजकर उसे बुलाना संभव; आज इस तरीके से बुलाना संभव नहीं (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए अपनी **स्वतंत्र** राय लिखेंगे, **जैसे**- मेरे विचार से पाठ में वर्णित विद्यालय और मेरे विद्यालय की अनुशासन प्रक्रिया में बहुत अंतर है।	4

	* पाठ की घटनाओं और वर्तमान संदर्भों के आधार पर अंतर बताने और तुलनात्मक राय लिखने पर (2+2= 4 अंक) --- * पाठ की घटनाओं का उल्लेख करने परंतु वर्तमान संदर्भ से संक्षिप्त तुलनात्मक वर्णन करने पर (3 अंक) --- * पाठ की घटनाओं और वर्तमान संदर्भों को लिखने अथवा तुलनात्मक राय में से कोई एक लिखने पर (2 अंक) --- * पाठ की किसी एक घटना का उल्लेख करने पर **अथवा** वर्तमान संदर्भ के एक बिंदु का वर्णन करने पर अथवा पाठ की घटनाओं के संबंध में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
8.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • अभागा/ भाग्यहीन • कृष्ण के प्रेम से वंचित • प्रेम के आनंद से अनजान • विरह की पीड़ा से अपरिचित * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) --- * कविता के आधार पर उद्धव के विषय में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त भाव लिखेंगे - • कवि अपने जीवन की दुर्बलताओं और कमियों को सार्वजानिक नहीं करना चाहते। • अपने मित्रों/पाठकों से कहते हैं कि उनका जीवन रिक्त है और उनकी कोई ख़ास उपलब्धि नहीं है। • उन्हें लगता है कि उनकी दुर्बलताओं को पढ़कर और उनके जीवन की रिक्तता के बारे में जानकर पाठकों/मित्रों को सुख की अनुभूति होगी।	2

	* दोनों पंक्तियों का भाव स्पष्ट करने पर (2 अंक) --- * किसी एक पंक्ति का भाव स्पष्ट करने पर (1 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • क्रांति का आह्वान • परिवर्तन की कामना • नई चेतना और उत्साह • नवजीवन और जागरण का संदेश • प्रगतिवादी स्वर • पीड़ित जन की आकांक्षा-पूर्ति (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * कविता से भावार्थ संबंधी कुछ वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- फसल उपजाने में प्रकृति और मानव का परस्पर सहयोग : • लाखों-करोड़ों हाथों का श्रम • अनेक नदियों का जल • हज़ारों खेतों की उपजाऊ मिट्टी • सूर्य की किरणें और हवा * पर्याप्त विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * प्रकृति और मनुष्य के योगदान में किसी एक के बारे में लिखने पर (1 अंक) --- * कविता के आधार पर प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5

(i)	(B) राम	1
(ii)	(A) सीता-स्वयंवर के समय शिव धनुष का टूटना	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(iv)	(C) I और III सही हैं।	1
(v)	(D) विश्वामित्र ने कहा कि सज्जन बालकों के गुण-दोष को महत्त्व नहीं देते।	1
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • बचपन से ही शहनाई सीखने में लीन • आजीवन नियमित रियाज़ • बनाव-सिंगार, वेश भूषा पर ध्यान की जगह रियाज़ को प्राथमिकता • शहनाई में पारंगत होने पर भी सच्चे सुर के लिए इबादत • शहनाई के पर्याय • शहनाई की मंगल ध्वनि के नायक • पूरे संसार में शहनाई की पहचान स्थापित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • असीम धैर्यवान • सहनशील • त्यागमयी • सरल, सहज • ममतामयी • निष्ठावान • परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित	2

	(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • एकांत • आराम • सुविधा • भीड़-भाड़ से बचने की कोशिश * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) --- * केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • कथनी-करनी में अंतर न होना • अपने सिद्धांतों पर पूर्ण विश्वास • गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी • शोक की घड़ी में भी अडिग आस्था • रूढ़ियों का विरोध • खरा व्यवहार और स्पष्टवादिता • दुनियादारी से दूरी (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---	2

	* केवल एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) --- * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत प्रासंगिक वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) --- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
(ii)	(C) अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित हैं।	1
(iii)	(A) I, II और III	1
(iv)	(B) 1-I, 2-III, 3-II	1
(v)	(C) जो मोतियों भरे थाल को जानने के लिए उत्सुक है।	1
	खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन)	**20**
12. (i) **अथवा** (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने, सेवा में आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	5

13.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	6
14. (i)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन **अथवा** ई-मेल अपेक्षित : **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **अथवा** (ii) **ई-मेल लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक	5

	• भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	
15. (i) **अथवा** (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन **अथवा** संदेश लेखन अपेक्षित : **विज्ञापन-लेखन :** • रचनात्मकता = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • समग्र प्रभाव = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक प्रस्तुति पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा प्रयोग/प्रस्तुति; दोनों स्तरों पर रचनात्मकता के प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • विज्ञापन में आकर्षक भाषिक प्रयोग के उद्देश्य से किए गए अन्य भाषाओं के शब्दों का प्रयोग स्वीकार्य है। • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :**	4

	• यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक प्रस्तुति पर पूरे अंक दिए जाएँ। • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर अधिकतम एक अंक ही काटा जा सकता है।	